विद्यालङ्कार (B.A. Sanskrit Hons.)
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- द्वितीय Semester –2

आधारभूत पत्र (Core paper)

Paper – HSA-C211 **संस्कृत-साहित्य (गद्य काव्य) Classical Sanskrit Literature (Prose)**

पूर्णाङ्क -100
सत्रान्त परीक्षा -70
आन्तरिक परीक्षा-30
सकल-अर्जिताधिभार 06

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड- क (Section-A) - शुकनाशोपदेश

खण्ड- ख (Section-B) - शिवराजविजय प्रथम निश्वास

खण्ड- ग (Section-C) - संस्कृत- गद्यकाव्य की उत्पत्ति और विकास

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को संस्कृत के शास्त्रीय गद्य से परिचित कराते हुए संस्कृत गद्य के उद्भव और विकास की पूर्ण जानकारी देना है। साथ ही सुललित गद्य की विधा से परिचित करवाते हुए संस्कृत उपन्यास भी इस पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है ताकि विद्यार्थी संस्कृत गद्य की उत्कृष्ट परम्परा से परिचित हो सकें। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को स्वतन्त्र रूप से संस्कृत रचना करने और समझने में भी सहायता मिलेगी।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र संस्कृतगद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत की वाक्यरचना करने में प्रावीण्य भी आयेगा।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड- (Section – A
शुकनासोपदेश

घटक- क (Unit) –1 परिचय-कवि एवं कृति

घटक- ख (Unit) –2 (क) शुकनासोपदेश में चित्रित समाज, धनमदजन्यदोष तथा राजनीतिकतत्त्व

(ख) बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्, वाणी बाणो बभूव, पञ्चाननो बाणः आदि की तर्कसंगतता।

खण्ड- (Section – B
शिवराजविजय प्रथम निश्वास

घटक (Unit) –1(क) परिचय-कवि एवं कृति तथा काल-निर्धारण

(ख) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)

घटक (Unit-2 (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता,विषयपरक विश्लेषण

(ख) शिवराजविजय के प्रथम निश्वास में समाज, अम्बिकादत्त व्यास की भाषाशैली, प्रकृतिचित्रण एवं वैशिष्ट्य

खण्ड- (Section – C)
संस्कृत- गद्यकाव्य की उत्पत्ति और विकास

घटक (Unit) –1(क) गद्यकाव्य की उत्पत्ति और विकास

(ख) प्रेमाख्यान एवं नीतिकथा सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण गद्यकाव्य

घटक (Unit-2) (क) सुबन्धु, दण्डी, बाण, अम्बिकादत्त व्यास

(ख) पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका

संस्तुत ग्रन्थ

1. प्रहलाद कुमार, मेहरचन्द लछमनदास, शुकनासोपदश, दिल्ली
2. रामपाल शास्त्री, शुकनासोपदश, सुबोधिनी संस्कृत (हिन्दी व्याकरण), चौखम्बा ओरेन्टलिया, वाराणसी
3. रमाकान्त झा,शुकनासोपदश, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. शिवराजविजय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. शिवराजविजय, साहित्यभण्डार, मेरठ
6. बलदेव उपाध्याय : संस्कृतसाहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी
7. प्रीतिप्रभा गोयल : संस्कृतसाहित्य का इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
8. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' :संस्कृतसाहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
9. राधावल्लभ त्रिपाठी: संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. A.B. Keith: History of Sanskrit Literature, also Hindi translation, MLBD, Delhi.हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
11. M. Krishnamachariar : History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
12. Gaurinath SHSAtri: A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
13. Maurice Winternitz : Ancient Indian Literature (Vol. 1-2I), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.

Note: Teachers are also free to recommend any relevant books/articles/e-resource if needed.